महासचिव का प्रतिवेदन .....

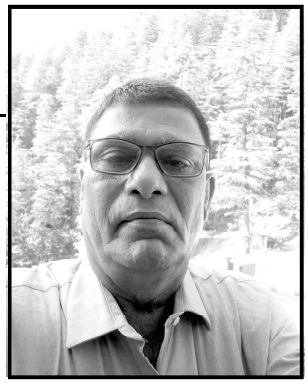

आदरणीय अध्यक्ष जी, मुख्य अतिथि सह उद्घाटनकर्त्ता, माननीय ई० पवन कुमार, उप महाप्रबंधक फर्टिलायजर, मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन, बरौनी, बिहार, मंचासीन समस्त विशिष्टजनों, उपस्थित पूर्व अध्यक्षगण, पूर्व महासचिवगण, आगन्तुक सज्जनों, पत्रकार एवं मीडिया कर्मी बन्धुओं, उपस्थित सभी भाई-बहनों, छात्र-छात्राओं, केन्द्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों का कुशवाहा अभियन्ता फोरम के 32वीं वार्षिक आम-सभा के शुभ अवसर पर "मौर्य कुशवाहा अभियंता भवन" के सभागार में हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन है।

''संघे शक्ति कलियुगे'' कहावत के यथार्थ को देखते हुए ही इस फोरम का गठन किया गया, ताकि अभियंता संगठन के रूप में कार्य कर समाज को शिक्षित एवं जागृत कर सके।

कुशवाहा में सामाजिक चेतना, जागृति, ईमानदारी, कर्मठता, कामों के प्रति समर्पण-अन्य वर्गों से अपेक्षाकृत ज्यादा है। इतिहास गवाह है, जब भी इस समाज के लोगों ने राज्य, देश का नेतृत्व किया है, वह समय अनुकरणीय रहा है। आज भी कुशवाहा समाज के शासकों के कार्यो का अनुकरण किया जा रहा है।

''कुशवाहा अभियंता फोरम'' अपने स्थापना काल से ही कुशवाहा समाज में अभियंताओं के माध्यम से भाईचारा, परस्पर सहयोग, समन्वय आदि स्थापित करने का पवित्र काम करते आ रहा है। फोरम ने जहाँ कुशवाहा बन्धुओं में स्वाभिमान जागृत किया है, वही कुशवाहा अभियंताओं में नेतृत्व करने की क्षमता भी उत्पन्न किया है। यह कुशवाहा अभियंता फोरम एवं इस जैसी अनेक सामाजिक संस्थाओं के नि:स्वार्थ सेवा कार्यो का ही प्रतिफल है।

व्यक्ति जिस परिवार, समाज, राज्य एवं देश में पैदा हुआ है उस परिवार, समाज, राज्य एवं देश की व्यवस्था से लाभ उठाकर ऊँचाईयों तक पहुँचा है, या अपने को भरण-पोषण के योग्य बनाया है, उसका भी दायित्व बनता है कि उस परिवार, समाज, राज्य एवं देश के विकास में सहयोग करे। वर्त्तमान भौतिक वादी युग में लोग अपने तक सिमटते जा रहे हैं। पति-पत्नी एवं अपने ही बच्चों को ही परिवार समझने की संकीर्ण मानसिकता पाल लिये हैं। समाज के लिए एक पल भी निकालना मुनासिब नहीं समझते। इससे बाहर निकलने की आवश्यकता है। जो परिवार, समाज, राज्य एवं देश आपको योग्य बनाया है, उसके प्रति अपनी सोच बदलने की आवश्यकता है। अपनी क्षमता के अनुरूप परिवार समाज, राज्य एवं देश के विकास के लिए किये जा रहे कार्यो में सहयोग देने की आवश्यकता है। साधारण सा सिद्धान्त है कि आप समाज के उत्थान के लिए मदद करते है तो वह स्वत: देश एवं राज्य के उत्थान में सहायक बन जाता है।

आज समझने की आवश्यकता है कि फोरम के सारे सदस्य हमारे हैं, अपने हैं और हम उनके लिए हैं, तभी कुछ हो सकता है। फोरम को सुदृढ़ बनाने में इसके सदस्यों की समस्याओं पर सम्यक ध्यान दे कर सुलझाने की आवश्यकता है। सदस्यों के दु:ख-सुख में सहभागी बन कर उनको मदद करने की आवश्यकता है। सदस्य को ऐसा लगना चाहिए कि आप का संगठन उनके लिए तत्पर है, तो वह आप से अवश्य जुड़ेंगे। प्राय: देखा गया है कि समस्या का समाधान होने की सम्भावना जहाँ दिखाई देती है, लोग वहाँ अवश्य जाते हैं। इसके लिए आपसी मेलजोल को बढ़ाने की आवश्यकता है।

कुशवाहा अभियंता फोरम का गठन :- कुशवाहा अभियंता फोरम का गठन समाज के चहुँमूखी विकास के लिए वर्ष 1992 में किया गया था।

फोरम का निबंधन :- फोरम का निबंधन सोसाईटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 21, 1860 के तहत है। जिसका निबंधन सं०-901/2001-2002 है।

आयकर की धारा 12A में निबंधन :- फोरम का निबंधन आयकर के अधिनियम 1961 धारा 12A में है। जिसका निबंधन सं०-6157-6159 दिनांक 24.01.2003

है। इस अधिनियम में कल्याणकारी घोषित संस्था का ही निबंधन होता है। इस अधिनियम में निबंधन से बैंक में जमा राशि से प्राप्त ब्याज पर आयकर की कटौती नहीं होती है।

आयकर के धारा 80G में निबंधन :- फोरम का निबंधन आयकर अधिनियम 1861 की धारा 80G में आजीवन है। जिसका आ०आ०-562-65 दिनांक 04.08.2011 है। फोरम को किसी भी मद में चेक के माध्यम सहयोग करने वाले व्यक्ति को आयकर में छूट की सुविधा प्राप्त है।

फोरम का Website:- www.kushwahaabhiyantaforum.org के नाम से है। 32वीं वार्षिक आम-सभा के शुभअवसर पर प्रकाशित स्मारिका को अप्रैल 2024 के बाद फोरम के website पर देखा जा सकता है।

फोरम का उद्देश्य :- संक्षिप्त में फोरम का उद्देश्य समाज का चहुँमुखी विकास करना है। विस्तार से जानकारी के लिए फोरम के संविधान की कंडिका चार का अवलोकन करने की आवश्यकता है।

फोरम द्वारा संचालित कार्यक्रम :- फोरम के विवेक परक दृष्टि में समाज के उत्थान के लिए निम्नवत् योजनाएँ संचालित हो रही हैं :-

मैरेज ब्यूरो :- फोरम समाज के शादी योग्य लड़के-लड़कियों का बायोडाटा एकत्र कर स्मारिका में प्रकाशित करते आ रहा है। समाज को इससे काफी फायदे मिल रहे हैं। स्मारिका 2023 में इस कार्य हेतु ऑनलाईन प्रकाशित बायोडाटा में से करीब एक सौ शादियाँ हो चुकी हैं। ऐसी जानकारी मोबाईल से सम्पर्क करने के दौरान प्राप्त हुई है। इसके संचालन से समाज में फोरम के सदस्यों का मान-सम्मान बढ़ा है। इसे व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

जगदेव स्मृति छात्रवृति :-फोरम तकनीकी सरकारी संस्थानों में अध्ययनरत मेधावी-गरीब छात्र-छात्राओं को छात्रवृति देते आ रहा है। दिसम्बर 2023 तक 6 डाक्टर, 215 इंजीनियर यानि कुल 221 छात्र-छात्रायें इस योजना के सहयोग से डाक्टर एवं इंजीनियर बन चुके हैं।

छात्रवृति पा चुके एवं छात्रवृति पा रहे छात्र-छात्राओं का नाम स्मारिका में प्रकाशित किया गया है। इस मद में फोरम द्वारा अद्यतन रूपया 53,01,600/- व्यय किया जा चुका है। इसवर्ष छात्रवृत्ति मद में 31 मार्च 2024 तक सहयोग देने वाले सदस्यों का नाम, पता एवं राशि स्मारिका में प्रकाशित किया गया है।

कल्याण कोष :- फोरम में कल्याण कोष भी है, जिससे फोरम के सदस्यों को आपात् समय में मदद की जाती है। इससे फोरम के अनेक सदस्य लाभान्वित हो चुके हैं।

भवन निर्माण:- ''मौर्य कुशवाहा अभियंता भवन'' का निर्माण पटना, बिहार के दानापुर-खगौल रोड में रेडिऐंट स्कूल के पीछे मौर्य पथ में अवस्थित है। यह भवन अखिल भारतीय स्तर का है। तृतीय तल पर वृद्धाश्रम के लिए आठ कमरा एवं एक रसोई घर तैयार हो गया है। सभी कमरा बाथरूम युक्त है। भवन में लिफ्ट लग गया है। भवन निमार्ण कार्य में विशेष सहयोग एवं परामर्श देने के लिए भवन निर्माण समिति के सदस्य इ० शैलेश कुमार सिंह-अधीक्षण अभियंता (से०नि०), इ० अजय कुमार वर्मा, अधीक्षण अभियंता (से०नि०), इ० सुरेन्द्र प्र० कुशवाहा-कोषाध्यक्ष जी एवं शिव शंकर सिंह- सदस्य कार्य समिति के प्रति मैं आभार प्रकट करता हुँ। मौर्य कुशवाहा अभियंता भवन के निर्माण में अभी तक कुल रूपया 1,38,23,723/- व्यय हुआ है। इस भवन को अभियंताओं के भावनाओं के अनुसार निर्माण कराने में अभी रूपया 15,00,000/- खर्च होने का अनुमान है। इस सत्र 2023-24 में सदस्यों से रूपया 18,13,963/- का सहयोग प्राप्त हुआ है एवं रूपया 20,14,797/- व्यय हुआ है। भवन निर्माण मद में 50 हजार या उससे अधिक राशि संग्रह में सहयोग के लिए मैं इ० शिवधारी सिंह, संरक्षक सह सचिव मौर्य विहार सहकारी गृह निर्माण समिति, इ० ओम प्रकाश सिंह-अध्यक्ष जी, इ० रामानन्द मंडल-संरक्षक के साथ विशेष सहयोग देने के लिए इ० रघुनन्दन सिंह-नई दिल्ली, इ० अश्विनी कुमार-मुख्य अभियंता, (से०नि०) इ० सुदीप कुमार, इ० गौरव आलोक, इ० कनक रानी, इ० उमेश कुमार- अधीक्षण अभियंता (से०नि०) एवं इ० रामदरस सिंह के साथ भवन मद में सहयोग देने वाले अन्य सभी को कोटिशः धन्यवाद प्रेषित करता हूँ। फोरम के दानवीर सदस्यों से आग्रह है कि इस मद में दिल खोलकर दान देने की कृपा बनाये रखे।

भवन निर्माण कार्य को पूरा करने में करीब रूपया एक करोड़ साठ लाख व्यय होने का अनुमान है। हमलोगों को यह सोचकर गर्व महसूस होता है कि आप सबों के सहयोग से भवन पर हमलोग अबतक एक करोड़ अड़तीस

हजार रूपया से ज्यादा खर्च कर चुके है। इस कार्य को फोरम के अस्मिता के साथ जोड़कर देखने की आवश्यकता है। इस कार्य में 31 मार्च 2024 तक सहयोग देने वाले सदस्यों का नाम-पता एवं राशि स्मारिका में प्रकाशित किया गया है। इसमें अपेक्षित सहयोग की आवश्यकता है। 31 मार्च 2024 के बाद सहयोग देने वाले सदस्यों का नाम अगले वर्ष के स्मारिका में प्रकाशित किया जाएगा।

विशेष सहयोग देने वालों का सम्मान :- वित्तीय वर्ष (2023-24) में छात्रवृति मद में रूपया 10,000.00 या उससे अधिक तथा भवन मद में पूर्व में रूपया 50,000.00 के बाद इस वर्ष रूपया 10,000.00 एवं जिनका सहयोग इस वर्ष रूपया 50,000.00 या उससे अधिक दिया गया है, वैसे सदस्यों को आमसभा में मेमोन्टो देकर सम्मानित किया जाना है।

फोरम से लाभ :- फोरम का गठन समाज के उत्थान के लिए किया गया है। इससे फोरम के सदस्यों को काफी लाभ मिल रहा है। इसे अनुभव करने की आवश्यकता है। फोरम की ही देन है कि हम सभी आज यहाँ एक साथ बैठे हैं। यह समाज के अभियंताओं को एक साथ जोड़ने की सशक्त कड़ी है। इससे समाज के एकता में भी काफी वृद्धि हुई है, साथ ही इसके गठन से समाज के अभियंताओं का मान सम्मान बढ़ा है।

क्षेत्र का दायित्व :- केन्द्रीय कार्यकारिणी का गठन आम-सभा के माध्यम से होता है। केन्द्र द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों को लागू करना क्षेत्रों का दायित्व है।

वर्त्तमान में फोरम के अठारह क्षेत्र कार्यरत है यथा पटना, सासाराम, मगध, हजारीबाग, पलामू, राँची, जमशेदपुर, बोकारो, धनबाद, देवघर, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, सीवान, एन.सी.आर. दिल्ली, कोशी क्षेत्र-सहरसा, महानन्दा क्षेत्र-कटिहार, मिथिला क्षेत्र-समस्तीपुर है। ऐसा पाया जा रहा है कि व्यक्ति विशेष के पदाधिकारी बनने से क्षेत्रीय गतिविधि में उतार-चढ़ाव आता है। संगठन में इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

फोरम के सदस्यों का निबंधन- फोरम के सुदृढ़ीकरण के लिए समाज के अभियन्ता बंधुओं एवं समकक्षों का निबंधन किया जाता है। इसके लिए कार्य समिति के निर्णायानुसार रूपया 100 निबंधन शुल्क के साथ रूपया 1000 कुल रूपया 1100 जमा कर फोरम का आजीवन सदस्य बन सकते हैं। सामान्य सदस्य को आजीवन सदस्य बनने के लिए पुनः फार्म भरने की आवश्यकता नहीं है। पर अगले वर्ष मात्र रू० 1000 जमा कर आजीवन सदस्य बन सकते हैं। मार्च 2024 तक कुल **2986** निबंधित सदस्य है। जिसमें **2270** आजीवन सदस्य है।

स्मारिका प्रकाशनः- स्मारिका प्रकाशन में सहयोग करने के लिए सम्पादक, प्रबंध सम्पादक एवं सम्पादक मंडल के सदस्यों तथा विज्ञापन संग्रह समिति के सदस्यों का आभारी हूँ।

भवन, छात्रवृति, कल्याण एवं दान मद में सहयोग देने वाले सज्जनों का आभारी हूँ। इसमें सहयोग देने वालों का नाम स्मारिका में प्रकाशित किया गया है।

सामाजिक संगठन को सुचारू रूप से चलाने के लिए समाज के प्रबुद्ध सदस्यों को आगे बढ़कर इसकी जिम्मेवारी सम्भालनी चाहिए। सामाजिक संस्था सशक्त रहे, इसके लिए ऊर्जावान, कर्मठ सदस्यों को आगे आकर स्वेच्छा से जिम्मेवारी वहन करना होगा।

मैं ऊर्जावान साथियों से आग्रह करना चाहता हूँ कि संकोच को छोड़ कर फोरम के कार्य-कलापों में सम्मिलित होने का सफल प्रयास करें। उसके लिए इस मंच से सबों से महीने में एक दिन का समय फोरम को दान करने का आह्वान करता हूँ।

आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि फोरम के उद्देश्यों एवं संचालित कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार सुचारू रूप से किया जाय तो कुशवाहा समाज के चहुँमुखी विकास में कोई भी शक्ति बाधक नहीं होगी।

जय हिन्द, जय कुशवाहा अभियंता फोरम !

(इ० विजय कुमार)
महासचिव